



नैदि नैरुका नैय

॥ ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ १ ॥
रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरु वरुत्ता काकामवर्गं मरु मन्त्र वृत्तान वनस वित्ताग नैमान वः
वोरुकादिकुरु पात न वरु रुग वरु ययन न शर्व नस्य ॥ अथ पिच वायासा सीसा
नवक विनयानि मनासकि योगमत्स हना साधिय स्यपुता दाघिसुनु निरुः
उर्वस्वामिना निष्यय च वात चपत्यात्म वरु मम दयानि सखी कल्या नाम कः

म (का म न य ॥ २

रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरु वरुत्ता काकामवर्गं मरु मन्त्र वृत्तान वनस वित्ताग नैमान वः
वोरुकादिकुरु पात न वरु रुग वरु ययन न शर्व नस्य ॥ अथ पिच वायासा सीसा
नवक विनयानि मनासकि योगमत्स हना साधिय स्यपुता दाघिसुनु निरुः
उर्वस्वामिना निष्यय च वात चपत्यात्म वरु मम दयानि सखी कल्या नाम कः
नमः श्री गणेशाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ १ ॥
रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरु वरुत्ता काकामवर्गं मरु मन्त्र वृत्तान वनस वित्ताग नैमान वः
वोरुकादिकुरु पात न वरु रुग वरु ययन न शर्व नस्य ॥ अथ पिच वायासा सीसा
नवक विनयानि मनासकि योगमत्स हना साधिय स्यपुता दाघिसुनु निरुः
उर्वस्वामिना निष्यय च वात चपत्यात्म वरु मम दयानि सखी कल्या नाम कः
नमः श्री गणेशाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ १ ॥
रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरु वरुत्ता काकामवर्गं मरु मन्त्र वृत्तान वनस वित्ताग नैमान वः
वोरुकादिकुरु पात न वरु रुग वरु ययन न शर्व नस्य ॥ अथ पिच वायासा सीसा
नवक विनयानि मनासकि योगमत्स हना साधिय स्यपुता दाघिसुनु निरुः
उर्वस्वामिना निष्यय च वात चपत्यात्म वरु मम दयानि सखी कल्या नाम कः

निष्ठा नानी ॥५॥

दिव्यप्रसादकैश्च कामनिबलनिर्मिलैश्च दशकैः ॥ १ ॥
 वलसाहसगानिपनिहावतामनकसुमडदकैर्मरिचिपूजाशुष्यवपः
 निहासैश्च सफपनिपूनिहारुवडलनिर्मिलैश्च दशकैः ॥ २ ॥
 नागैः ॥ ३ ॥ नविशतिमोतात्रीचैश्च सफिदलसशानूदसध्वगनकादिव
 कतादवृषी ॥ ४ ॥ समिन्धैश्च ललितैश्च गामिनीनगनीलसुगायमड
 लतादवृषी ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ तमामिदवीयीवडविनामिनीपिहवय

नकं खसमसमानदवी २ डोदियानपु श्रेणिनी कामनृपीपीरुनसुवि
गुचमगुलनरुपयामि ॥ ॥ वसंदलमनानरुवनममचकवा
उमडलसंशगचक २ मणिमदलकमलमदासखचक कीकामन
फादिनृकनाथ ॥ ॥ ददागडिनविद्यानिदिद्यानरुदनीयवम
मगमात्रयनादनृपी २ पीअदिदुर्गमीगनमगनपूडनीडिनहानः
दायनीविभग्वनी ॥ ॥ दपानैयमिबिम्बनडचरंदापमश्रुदि

समस्त देवता ॥ २

निसिसमनमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५
मनमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५
नृपा २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५
विष्णु वनवीना २ वीनमस्तु देवी २ वीनमस्तु देवी २ वीनमस्तु देवी २ वीनमस्तु देवी २
मठ नमस्तु देवी २ मठ नमस्तु देवी २ मठ नमस्तु देवी २ मठ नमस्तु देवी २ मठ नमस्तु देवी २
धर्मनृप २ देवास्तु देवी २ देवास्तु देवी २ देवास्तु देवी २ देवास्तु देवी २

समस्त देवता ॥ ३

धनकनक २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५ मठ नमस्तु देवी २५
स्वतन्त्रागिनी देवी विष्णु वनयापिनी २ विष्णु वनयापिनी २ विष्णु वनयापिनी २ विष्णु वनयापिनी २
नी ॥ ५ ॥ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २
जननी ॥ ॥ पूर्वदेवगन नमस्तु देवी २ पूर्वदेवगन नमस्तु देवी २ पूर्वदेवगन नमस्तु देवी २
नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २
मिनी देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २ नमस्तु देवी २

य

४२

५८३॥२०

गवक्रिया

永

प्रतिपद्यते ॥ १ ॥

यत्र पसंहा वं आरु क्कामं दकि निरुल्लु नृपं १ म कि मि सा धा नं तद व ता च कं १
ज्ञान मत्व मा नी य द्दी ज क न र्ग ॥ ॥ पा पी दि आ च म न दान न पू न स म
य म ल्क प वे मि न वि म ल क न र्ग १ म र्हा ना ग ड वि रु य वा धि चि रु नृ प म म
य म ल्क ज्ञान म ल्क न कि रु र्ग ॥ ६६३ ॥ ना ग र्ग धि रु न वि ॥ मि नि ला य
न च ड व र्ग वि द्वा ना १ वा क्क प मि क्क म लु ल ला या ॥ ६ ॥ हा म हा म क
प्र या ह्म क्क न हि च ड मा ला १ ना ग ध म मा द वी धि न च्छा दि ॥ ॥ प ह्म

न क व र्ग ॥ १ ॥

य न ड पा य न व ड १ न वि म मि चा प यि आ चार्थ व यि थ ॥ ॥ वा
म कैं द कि न क न य वा या न १ क न यि व डान न आ क्क नि दि ना ॥ ॥
क न वा र्ग न न अ स म क्क हा म १ व ड प व न च न चि य म र्वा धा ॥ ६६३ ॥
ना ग ॥ ना ट ॥ न क्क व र्ग मि नि ला य न र्ग द नी १ अ क्क द स ड ड प रु न र्ग कि नः
॥ ॥ ॥ ॥ उ स द वी वा न वी मा म कि द वी १ उ ग न य मा दि न म य न स
नी ग ॥ ॥ आ ग म व द पू नी र व र्ग न १ आ ग ध म दि क्क गु न ड प द

नमोऽस्तु ॥ १३

॥ पञ्चवृद्धस्वर्गपर्वकङ्कदश ॥ २ ॥ यान्त्रागितीमाध्यह्नं वृत्तः
 ॥ सङ्गुनचन ॥ १ ॥ सिर्गमधन्रिया ॥ २ ॥ नयिवाकं वंरुस
 ॥ नासुपि ॥ ३ ॥ ॥ नाग ॥ ४ ॥ नवागनसाक्षिज्जकाननृपधन ॥ ५ ॥ स्वेच्छवि
 ॥ सत्त्वडमाधन ॥ ६ ॥ ॥ ननाई ननाई ॥ ७ ॥ ननाई ननाई ॥ ८ ॥ दैष्टालिग
 ॥ शामधन ॥ ९ ॥ वरुच ॥ १० ॥ मडाधन ॥ ११ ॥ धवगससखनदधन ॥ १२ ॥ संनईस
 ॥ साहिअचलमन ॥ १३ ॥ ॥ मायादहलीनउगि ॥ १४ ॥ साहिअकनलसचमह

१४॥

[illegible]

कालिगवजा नला ॥ १७

द्व. वमदठि वल्लिमा ॥ ॥ दिग्विदिगा गका ॥ दिरमदादिद्वी ॥
सहजानंदं मन्त्रिधना ॥ नमामिधीचक वीवन मृगुनूचन ॥ नआः
नाधिमा ॥ ५६ ॥ वागमयकम ॥ कालिगवजानल नविममिक् विमः
डावयिडं काननाद नपि २ कंड नूजा गगिरु वगली नापयि सयिः
जिन विंड नया ॥ ५७ ॥ वापनमानंद मन्त्रिधना नि कोरा विषः
गीम ई वजा २ डं ॥ ५८ ॥ ई ई ई २ काय धिपयी म ई वजा ॥

मणि

सुजात नू

धवन मजुल ॥ १८

कालिकमल सुजात वनक नगीत नल गति २ गय मुख सट लड जल
मकठ मुनिक कसी मानन दहिन वाभ ॥ ॥ ५९ ॥ सुल न विवरु
पथी कंक मातृ स प कलिमा २ वरु खरु न द क्रि ल क न ध नि वा म
या ल म न या प ध नि ॥ ॥ विचि न नारु न विरु धि मा रु न
यजु न क म न कि नू या २ न म गु नू च न ल द म ल प ॥ दान मा मि प न
मनि मा प द ॥ ६० ॥ वागम ॥ न वि वाप वन म न ल च का न वी ड ड

धारि

[illegible][illegible]

विशिष्टादिनाम्ना

[illegible]

अवनिनि। २२५

[illegible]

वज्रवन्मालिक्यरुवरुयहनन॥

वेमतिपि० ग्वेन

॥ चक्रविमर्शनिधि ॥ १० ॥

वकीयादकमेलमहि मलुलनाम नननेम तेका ना २ हादस्वमा ला रु न ८

गी॥ कु॥ शंकरगः

दिस्वमात्रा न ८

२ अनसिद्ध ॥ ३०

घालखद्यगिधारी॥ ॥ अर्थ २ नादसमानस्मिन् २ गिवनादननमिनः
 माया॥ ॥ अर्थ २ नादकडगनसमान २ पुनमा मिश्रयवाक्यलि॥
 ॥ २५ ॥ नाग॥ वर्मन॥ अनामिकसममधुनिदसपुलाखना २ विविधिनन
 मनिमकडविदधिना॥ ॥ २६ ॥ नाचयित्री अवनवीना २ ननाचकैः
 अज्ञानदविलासयिअवनना॥ ॥ २७ ॥ वामउरुवविम्वमडादर्गना २ पु
 हलीगनअद्यमहासूह॥ ॥ २८ ॥ विनागकडधुनिरुवरुयकना २ न

२ प्रहलितमर्षकाग॥

[illegible]

五

निर्जकुव ॥ ३३

नेश्वाममर्जुनिद्विद्यागधर्वरुवाविशतंतर्धनर्त॥ ॥ नानानः
 त्वासावनापुनकलिममलरुषितदहसदिकाकलालरीषमवदनीतिः
 रुचनलायापचुवीन॥ ॥ वीनाधिपानिसवकयहनर्तपुनोपि
 भायादिसाकमनसा २ सुनननयक्रादिवीदिनपादिसवमिद्धिभाक
 रुलद॥ ॥ नागा ॥ मालव ॥ निर्जकुवजुवधुवदनेवलाया २ श्रीरु
 नगमलयागिनीपानिस॥ ॥ ॥ आर्नदादिदवाकलज्जार्नदादिद

पुनरु ॥ ३३

वांशपनिनात्रयिहनुवमनसाधयुह॥ ॥ पुष्पासनादिरुनूवाः
 निर्जकुमरुव २ सवनिज्जलहायिवयिसर्नाध॥ ॥ श्रीरुनडादिः
 यानकलसिचनुडांशीमज्जनहाकिलीनिवाज्जर्न॥ ॥ ज्जालिकाः
 निदयिधनम २ कोदकिकमलकलिसवाठक॥ ॥ पयिसयिउः
 म्मिनिज्जदयसयाता २ वकडयागिनीमीगलगीन॥ ॥ द्यस्मनिधा
 त्रिचोनिवगावी २ लपनकडसमरुववाला ॥ ॥ नागा ॥ ताठ ॥

कवचो ॥ २८

सकलजगत्सु नमस्त्वं वीना ॥ अनुपमकनकनैलेकनिभसुखचिन्ता
॥ ५ ॥ सर्वे नमस्कृत्य मयि कार्पण्यं ॥ विविधविकल्पाविनासननृपा ॥
दवीवावाही दुःखसन्निभदहा ॥ रुक्मशयनं विलासविषयं ॥
सकलविघ्नहर्त्रि मयि निनृपा ॥ नतिपतिस्वर्गनिवासननृपा ॥
हावाहावकुरुहीति वीना ॥ अनुपमसुखं मग्नसुखचिन्ता ॥ ६ ॥ नाग
नाट ॥ कवचं नृपलाकं वनकवचं नृपनृप ॥ ७ ॥ अखयनिर्देह नमः स्याल

मतिः

त

अखयनिर्देह

विगुह्यं ॥ ५ ॥ नावयिष्ये वधवकानकमानं ॥ खड्गगिठमन्त्री वनः
गगिन्माला ॥ ॥ अकृन्तसन्तिर्देह न अकृलविहता ॥ अनुकनधः
नगमिसयालविगुह्यं ॥ ॥ कुरुवागधुवकुरुवागवीना ॥ अ
वधवकानगमिसुनिर्देह ॥ ॥ रुलकुरुलकुरुलसुखकुंदा ॥ जि
निष्ठवनाथनकुर्ये वनलाया ॥ ॥ ७ ॥ नाग ॥ निर्वह ॥ अखयनिर्देह
न अखय अनुपमगगलमगुलमाभ्यध्यापिका ॥ गुण्यमाविद्यासिगलाः

यथाविद्याद्वयपादौ विदुः समज्जदिता ॥ ५ ॥ नमामिनिनालैरुनिनः
 नृनस्वरावहृदुम् नृनसं क्कादिता २ सनदचैडसममं हृपकासिहडल
 डचलुसमव्यापिता ॥ ॥ खड्गयोगमन्त्रनसाधिमवकुवदिमन
 मलेसुसममं लिना २ निर्मलहृदया लवकुध्यापिता अहिनिमिडकुमह
 साधना ॥ ॥ आनंदपनमानंदविनेमासज्जसैहवकुनानंदसंरुवा
 २ पनमाविनमास्यनक्कादिनं महासखसगमसस्योपिता ॥ ॥

हवडकालचक्यीचकुसंवनज्जनीनकाठिसिद्धापात्रीगता ॥ ॥
 गीरुमडदिया नपुंशुगिनिजालैधनपकुमहासखजानक ॥ ६३७ ॥
 नागमननि ॥ मन्त्रनिर्गजनपनमपकुसंनमायासैहाव २ तावसुचिय
 सैहावनानासिमयिजीव ॥ ॥ नडरुवनडनिवागनहिउकुसाम
 हासुसवड २ यातावयिमनतावमयिषापनसाहयिकर्ज ॥ ॥ अ
 खलमकुविक्कयातासाविन्दनचिरु २ उकुसापनमपकुनारुदिनाः

सन्निननन ॥ ३३

मायजिजा ॥ ३७

कि ॥ नृसिमापनमयरे ॥ ॥ डिमपदिर्विइसंदावदागिनिश वयिम
नराव २ संनिनिनेडनपनमपलुनागयिपू ॥ ॥ डिमडल
सर्वडसदिनासास्य कनमिदुमिमिसामुले वई डाननयसीदाधस्वक
॥ ॥ नाग ॥ दमाल ॥ मायीहालविस्व ॥ दमसनिना ॥ भादमानदय
कादिभमायाभाह ॥ ॥ वसीसानअमान ॥ नागद्वषमाह कादिभनि
नआसा ॥ ॥ अनामिखनयनदरुकेनूविय ॥ धूममनविखदाक

कि ॥ ३७

पूनभडा ॥ ॥ सरुजस्वराडननागरु कादिभ ॥ नस्यप्रसर्गसमनसा
॥ ॥ अवधवउदयननुपायपसाद ॥ गवकिनिदायिगारुवयक
जालिवा ॥ ॥ नाग ॥ गमनमायी ॥ द्विउउयकमखनकवकु ॥ २ म
कूठकभादिगविवा ॥ ॥ कनाईई ॥ कनाकनईईईई ॥ ॥ ॥
कनाठकदहिनकनाठकदहिनकनमि ॥ हाअरुनमसुशरिना ॥
सथममुलमाभगीवेदमूननिधीनी ॥ वडमडिगसु ॥ ॥ ॥

नमो भगवते ॥ ४३ ॥

मिमिह्यो यमनखम्वनं सयनज्यासापनिपुनिकुडधनिता ॥
नगीगलेयति वामं पीमर्हा काना २ सगलमपुलमाअपकलितलिता ॥
अपि सहा नलाया विष्ववियापिता २ अफरुथ वक्रयाधि इति रुह नल
॥ ॥ वक्रधनपसाददासरुनयिया २ गुनचननमानसिद्धि वनपु
साद ॥ ॥ ३ ॥ नागागन्धरुनवि ॥ विरुवनकनिकमनक्ति अननायन
विनयवर्हि ॥ ॥ ॥ नाचयि कुरु सत्वपनमग्वन विनयेवर्हि ॥ ॥

नामस्वस्त्यन ॥ ४२ ॥

नभिसेतैस सस्य किनल दसस थै सादस वरहि ॥ वक्रविह नन क्षात्रि
पनविमति अननायन सत्ववर्हि ॥ ॥ ३ ॥ नागाग्वउगी ॥ वामस्वत्ये न व
नाददिनकनठि २ पायल नोपुनमपुमाला रुषिता ॥ ॥ ॥ नाचयिन क
डादी वक्रयागिनी २ विनिन वदवी विरुवनपयिम ॥ ॥ कालमस
इयिपा जवीधिन २ नागाध्वषमाह कननिन रुद्ध ॥ ॥ धूलगुक्कद
वीनिनंजनद ॥ २ ॥ न्यपावदवी सैना ॥ ॥ ॥ ॥ सुवि सैना न द

॥ ॐ नमो भगवते ॥

[illegible]

पञ्चडिनवनमकूटआलंकनमठमृदारुनगविरुषिता २ आलिकाः
 लिङ्गिआलिउत्तापयिवाधचम्पनिवासनकुरुगनू ॥ नन
 गिनमालालंकणीसतनादिव्यवहृषिनिक्कनगहिया २ उन्मठनम
 नुडैप्रायगननगवकिपनमादिवहृगीता ॥ ६३ ॥ नागग्वहृः
 गी ॥ द्वितीसभावनविलासयिकयिष २ उहृलाठीमनुललाया ॥ ६४ ॥
 उहृकाहृमलउगननिवासियाल ॥ ॥ अमियथनिर्नठनद ॥ १ ॥ स
 हृहृसूदनीमयाडिनहृलपयिष ॥ ॥ नकडयागिनीवलमल २ ॥

विदलकमन ॥ ५१ ॥

वहुवागदीआलिगलकाल ॥ ॥ उठरुलाशकनूतकवालि २ जय २
आलिगलनीलवधुवाली ॥ ५२ ॥ ॥ नाग ॥ विरास ॥ विदलकमलवधुव
समसीगमधुकनरुनवल्लिना २ श्रीविनपाकखगमुखदवीमदनपा
लयवापिना ॥ ५३ ॥ ॥ नमामिणीनेनासाकिरुवनमातावरुलादवी
धीमगसुल २ सयलसुनासुनवीदितवन ॥ ५४ ॥ ॥ नमामिधि सिद्धि वनप
साद ॥ ॥ नदनवनीमिवचन्दनितवानुवअनगकसमसीपानि

नमामि ॥ ५२ ॥

जाकव ॥ २ निधगगि ॥ समवागममीमीनअनगतिथसुनकखवदन ॥
॥ ॥ अरुनवअरुयागितीदवीअनगदवासुनकखपाल २ अ
कमलारुथइनिगनिनवानुवअ ॥ ५५ ॥ ॥ विष्णुनिनवानुव ॥ ॥ वि
धवियापिनगानुदीदवीअखयनिनरुनऊतिमथ २ अरुमनसुखरुल
दायतीदवीरुनऊनमानुड ॥ ५६ ॥ ॥ नाग ॥ रुनव ॥ न
मामि २ जिन ॥ रुकनदकवरुनमनूतिआलिगिना २ पव ॥ हानपव ॥ ५७ ॥

दुस्वप्नपावकधम्मशालयस्वप्ना ॥ ॐ ॥ ननादं २ उगकसीसा न उधनिः
 याममोहननमामु २ यधजिनग्वना ॥ ॥ नमामि २ ग्रीष्मकि पुनग्वः
 नमस्सिमिद्धि वनदायानि २ इति न रु न नै सर्वपापकर्मक न दान पौ ॥ १५५
 रुमोक्षपदा ॥ ॥ नमामि २ धम्मोक्षु वागीग्वनघात गड्डम न घनिम
 पुना २ घात गध न लघ न जे नू लं मं काना सुवध वपनिमलिना ॥
 नमामि २ वागीग्वनमगुल पयगिनिनि चो मिना २ सत्त्वविमोहि न इ २ स्व

विनासयपलेमामिजिनवकुग्वना ॥ ॐ ॥ ॥ नाग। सरुड वसति ॥ मधुः
 निपुणिपुना इयति रुनाला २ सकलदवगल वदित न न ॥ ॐ ॥ म
 निआदिवक्त्रयीमं २ रुमाना २ स्वोक्तिर्वध पयन न धग्वना ॥ ॥ कंकम
 नूचिना सुनूचिन विषमा २ गुं न्यागीतिन क नू ल विदना ॥ ॥ विषयवि
 घसकूठपानगमनसा २ विग्वविद्यापित सि वगु नू स्वयं रु ॥ ॥ सकगु
 नूचन ॥ विनूजाना ॥ १२ गव वदित वगी क प वत कालि म ॥ ॥ ॐ ॥

मधुनिपु ॥ १५३

नरु मूरव ॥ ५२

नागधनानी ॥ गडमूरविनमननागुवधर्वन न्याभिधमिगल अना २ मः
लिमकाननारुन नमननलिकिननसकागम ॥ के ॥ मालिमाविममालि
यादपमालियाइ ३ खविनासर्न २ मालियामाला मालसुनामामनयनः
मइ ३ खविनासि ॥ ॥ यनगुवानीकगवडखडहिनिपालददिनक
ना २ मूलधनखद्वीगणयनकनठिवांम ॥ ॥ विविवककुकेनः
कठिवंमडयकमनिमगुना २ लंवादनधनलंवादन ॥ ॥ पायलः

जिनवनननय ॥ ५३

मिनिमिनिवाडीन ॥ ॥ नलातनधननलाकानिनामूरिकमूरवज्जनि
सुदेना २ दीनीदलाकममूरवदानानमासु २ गलभिधमि ॥ ५३ ॥ नाग
नामकनि ॥ जिनवनननयणीरुवनतंगीकपिाकलनिवासिनिमममालिः
॥ २ नपालमगुलमाभ्यमसिहकाकेन ॥ ॥ जगनमगुलमाभ्यमनिना ॥ के ॥
जिथागनिगरीयाभज्जवनानयादवपनमामिवगसललाकगवनदः
वंगुने २ सिवायागि वंधदरुघनिकमरुवपनिकृशमनिन ॥ ५३ ॥

वसुधा कर्मणि

[illegible][illegible][illegible]

मंगलमंगलमंगल

मध्यामहापद्मा ॥ ॥ ध्यानमग्नमपर्वकठिवक्राज्जनरुतामपुनराम
द्याः किलिः लावाज्जिः शवक्राकलिकेतातावर्षममध्या ॥ * ॥ ध्यान
कुजाद्यादः शुबनाचकुवक्रावदेताद्यादः नयनाहनयिकर्षियालना
मक्रमेनका कालिनोवित्रिपचाययिवदना ॥ ॥ नागः कर्षिनि ॥ ध
मीगमनिचकुकेनालिः शीघ्रमर्षिगलकनयना ॥ ॥ कुः शिवायानरु
शुद्धकलककननः शानाविहाननोदमहावलिपूजा ॥ ॥ समया
मीरयकलककवावलि ॥ ॥ राः २ पृथिवकलकसमाकलवयन ॥ ॥

मंगलमंगलमंगल

नक्रमुयागीवनदवावाकलवाकलवडमूरववयन ॥ ॥ नोदमहावलि
मिरुवसेगरु ॥ २ मयमसिमज्जमधिनाहाने ॥ ॥ नागः कर्षिनि ॥ मति
मकुलममसमूडा ॥ २ जनधनजोरुनउदकविम्वक्रडा ॥ ॥ पृथ्वनजनः
मिसलायनगयन ॥ २ रुद्रपनिहासायिजिनगुललयन ॥ ॥ कर्षिनि
हन्दिअविषयसर्वका ॥ २ समूदकनगजिनकूलजनका ॥ ॥ यवनड
शिरुदियादुदविभिन्नीया ॥ २ कलयिवजाननदहदिहदाह ॥ ॥

बामाद्विना॥७६

सुगकरनिरावयिया नराचिलस्वाध॥ २ सुमरकडरुतयिज्जिकयवाध॥
 ॥ १५६ ॥ नाग। मालयी। वामावरुनपइयद्यनयि २ माभ्यविलासयिम
 दासखकेनिया ॥ ३६ ॥ उडयिनऊयियासरुडज्जमिया २ सुमलविस्तय
 लासलसकलिया ॥ ३७ ॥ चकाधावयिमांगलकनयिया २ श्रावयिने
 पानिगतधधनि ॥ ३८ ॥ गजनमयनविरुविलासयिमा २ कायवाक
 विरुणकुक्कनायिया ॥ ३९ ॥ पापयिनेगेन्याप्रस्ताद २ रुतयिवाकः

अविस्तु ॥३०

वज्रमुनेन्यसमाधिः॥ ॐ नानागणैर्न वि॥ अविमर्शरुग्गवत्तमहाभाकृपयः
मदलयिनेरुमवाधिपदं २७ नामनगरुथर्वधनमात्रययेनमाम्मनयनः
मगुर्न॥ के त्वाहिवत्तमहायानमयारुमंदहित्रिकाचिकोमृकपानेनैः
नं २६ तस्यिष्येष्टमनहिरुमवत्तगुच्छकथनानुरुनवाधिपदं॥ ॥ सर्व
कथागमपुनन्यालघाट्यामिमयापकनं २७ यथ्यागदिक्रियविबन्धिः
नकमलकलिलपत्रिर्मुमुक्षुः॥ ॥ कृतमउदककृतकृष्णिकमलजि

५५५

सादसा ॥३२

महा१

सुखीकृतमनकनपुनः॥

निज्जुधनव्ययनय॥

षास्त्रयन्तु॥

॥ वृद्धिश्च न घटति ॥

वनयात्रियमिहसिद्धसकल॥

॥ न ना द्वा न ना द्वा न ना न ना द्वा द्वा ॥

五

॥नाग॥वनादि॥का०००॥

गर्वसा वाजिनेवी ॥ २७ ॥ नरु रुम व ॥

वैश्वदेव नक्षत्रात्

॥ अने उमयडि नदानकनया २४ दि नया

द्विसिद्धिमादियत् ॥ ६ ॥

सतिगगलड्वाभ

मास्थपवनक्षेदया॥

मदनलक्ष्मणकसिद्धा॥

शेखरवननाथदीहविलासा॥

२कमलकालसमंशलगमंरवा॥

॥ गंगामुना ॥ इति कृतं २ सावित्री नवविंशति

॥ उद्दिष्टं नमो न विष्णवे ॥ गगनं धाम

॥ यवनयक्षसिमेव कूकेना बंधः ॥ शिवयनिः ॥

॥ नाग। नाट ॥ सहजसनामूह दनूबलाया

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ज्ञानस्वायेनीद्वीविग्वया

राजराज ॥ ५२

पिनी २ किं दकि नमना महा सरव दाना ॥
प। धी वें २ या न विंड नममहा सरव दाना ॥
या २ दहि म मा नान सी सा नममूया ॥ ५२ ॥ नाग ॥ न वि ॥ ना सव न खग मरव
व रु चि रु न ध मा दया प नि रु मि न २ क र गि न म नो रु न म गु ल व रु धा रु २
दी य रु म ल व ल ॥ ५३ ॥ रु रु हा व रु न रु द य रु म ल धी र्य च रु न २ रु चि सि
धि क न वि न्न वि न्न स न हा यि म हा मू या सि धि न ॥

॥ उच्चा टा य न दि न नृ चि या
॥ गु न्ग पु सा द अ न रु ने कि ॥
॥ आ दि व द्वा दी य

अथ य नि नें ॥ ५३ ॥

म न ध न म गु ल वि ला स यि ष ठा न व रु न २ नी ल व रु स न कि न यी म न म रु
ला य प नि म रु न ॥ ५४ ॥ दि न रु दि रु न मि व रु न य रु न ड ग न उ च्च ॥
न र्ग २ स य ल व रु चि न रु क रु न यि या नि रु रु व रु य प नि रु व न ॥ ॥
गु न्ग उ य द म मि म यि र्ग ल मा रु न वि रु वि रु ग न २ स रु गु न्ग व न न गि ली
ग रु न यि या रु न यि स न रु व रु रु रु न ॥ ५५ ॥ ना ग ॥ नि व रु ॥ अ रु व य
नि नें ड न अ रु य अ न य म ग न म गु ल मा र्ग य धा पि ना २ रु न्ग य रु वि ला सि

गलायणीचिआदवषाणविंडुसमडादिता॥ ५ ॥ नमामिनिनीलक
 तिनेकनेस्ररावहुहुसुननसंकुदिता॥ २ ॥ नदचवदसमनेजपकासिकज
 लजचवदसमवापिता॥ ॥ खड्गगंधागर्वनसाधिनचकवदिमनम
 तुलसमनेलीना॥ २ ॥ निमस्रददयालचकधपिताअहिनिमिकुडुस
 यमाधना॥ ॥ अनंदपनमानन्दविनमायेसंदुचुनानंदसंर
 वा॥ २ ॥ पनमाविनमायेनकादिनमहासुखसुगनेसंपापिता॥

हवजकालचकणीसंचकसर्वनअनंदनकाटिसिद्धायानगगा॥ १ ॥ गीहक
 आदियानेपुगुगिनिजानेधनयउमेरासुहजानंद॥ ॥ नाम॥ गोः
 छि॥ ॥ मचकपालाधमिनमोविपचसुनपचमदारुन॥ २ ॥ ननमिन
 मालागीवीसरावाद्यचमोकगिरुमिकवदना॥ ५ ॥ ॥ हं हं हं कान
 संज्ञातवदनाखवेलीवादननीनसमदहाकाटाधियगिणीमहाकावा
 २ ॥ पचममदयाहवलीनारुजनवचकपालेधना॥ ॥ नकवडुवः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

उंग्रकायय २ द्दुष्ट ॥ प ॥ समिलनाम न उगचक न स्खानु २ द्दुष्ट कनि
 मनु अङ्ग न हि दार्य ॥ वा ॥ यङ्ग न गना जोग कर्ल कायली २ नाथ अङ्ग
 द्दुष्ट व आह्ला व द्दुष्ट न क न न ॥ ॥ उङ्गाने था हो रुग व न विधाना ज
 द्दुष्ट ॥ उ ॥ मोडग (ग व न न च विप्र ग कि २ नाथ आ हो आय तु न
 जो न नु य र्य ॥ ॥ अ (धार्ष्ट्रु व नाथ व क्ता व म न्नि ग्या २ ख क् (धार्ष्ट्रि
 शक्ति रु म मि व क न न ॥ म ॥ व द्दुष्ट व न ना म अङ्ग का रु ना ज २ द्दुष्ट

श्रीविष्णुर्देवता॥११

दिगक्षिकमान्याप्तकनले॥

॥ वाङ्मलिनचन (६३३) गन धनिया २

गर्वोनेकूलिगंभीरीनचनल॥५४॥नामा॥कामाद॥अविजसंरुव

ककुवतुदहा घातिंगन नरुन धन १२ वामरुज खया नख घांग दहि न क

मठिधना॥ ॐ ॥ नमामिणीनेनात्मादवी२सानरुवरुअदनेर्व

चतुर्विंशतिप्रीतिग्वननृपैकवदननिनगध्या२ पंचमूडारुषिकर्ज

॥ गंगा विनेनागेन मूलमात्रा ॥ ॥ चंद वंदनी मणि मूलमात्रा ॥

उच्चैः प्रकाशं

नमोर्वादिहवनर्गशदवीयाणिनीचकणावा नमा मिमीयस्यस्य

॥ गी वरुद्वीपसाददानपनिममनोद्वर्ष १ मरुगावत्रत्र ॥ १५ ॥

धायरुनयिनत्तवडकुलिम् ॥ ८८५७ ॥ नागनामकवि ॥ ८८५८ ॥

गलकंभ॥ २ नाच शिह नूवडनमलि रंभा॥ ३ ॥ ६ नूवड नूवड नूवड मात्र ४

ला २ धीमि च गुणिलया उरु नू वहाला ॥

॥ दहिनं उमनवाभरवेद्याता ३ अक्ष

नमो नमि२ डि न धा ३

[illegible]

सुखकृतनधना॥ ॥पीलावस्त्रनमलुनमहासखलाया२नाडाः
 विनाइपीनननुतसदर्वी॥ ॥पीतजात्रार्थवंधरुआवार्थ२रुन
 यिवाकवजगीनवनिना॥ ॥नाग॥नामकनि॥ ॥दददधनसंसा
 नन२॥दंघांलिगलजागधन॥ ॥ ॥दवजउभनताईईई२न
 ताईईईईताईईईई॥ ॥सनननवीदिगुचनेतधन२॥स
 मविलपनदरुधन॥ ॥रावविमकठविलमंगुलनाखयि२नमा

१ कानासिद्ध ११

कौशिकवज्रकुण्डलपुत्रपुत्रवर्धन ॥ १०० ॥ नाग ॥ पञ्चम ॥ कौकान्तसज्जान्तवर्धन
 आनन्दनृपधनो वसुधाकपालसेतुवता ॥ कायवाकचिह्नमख्यमङ्गल
 विविधियोजिता ॥ १०१ ॥ पुनसामिणीचिह्नमङ्गलवज्रवामादीर्गवर्धन
 ताकनृपमय ॥ अल्पगङ्गावालिचक्रान्वितवज्रनृपकौण्टिकममताहना
 ॥ ॥ दक्षिनकनकवर्णवामध्वजोन्मेषकृष्णचक्रवर्णवज्रवर्धन
 ता ॥ चक्रवर्णनृपममताविरुषिमामङ्गलमौदिगवर्धनदहा ॥ ॥

॥ इति वनेनाम्ना ॥ १८

गृध्रि सदाननाथ आर्नदना चयि अद्य य समा धि व्यापि ता २ वड मूडा गमय
 लिंग ल म लु ल य न माने द म नू कि ध ना ॥ ॥ ग म व कि धी न ल व ड र न थि
 ती मा गु नू च न ल गि ली ग म धी नि ता २ ख डू कि रु य डू र्ग नि ना स न अ ष म धि
 मू व सि धि व न य सा दा ॥ ॥ ॥ ॥ ना ग ॥ क न डि ॥ गी ह व डू न ना लो दे वी ॥
 वि रु द न ना थ २ प च डि न व्या पि न य च ष डू द हा ॥ ॥ ॥ न मा मि शी ॥
 य क म ग न थ २ द नू क पी गु ष ग व नी व डू या गि नी र्ग न य ना ॥ ॥ य नू दि न

दिनसालि मङ्गल

विन्दु
 स्फुटारु नवनीलवर्ण २ दहिन पाशु धत्री वाम धन ॥ ॥ यमभानि नो
 नीशानिनी दवी २ गव किनि नावज क्रीकानसी वजा ॥ ॥ नाग ॥ नना
 वनि ॥ दिनमणि मधुल सङ्का २ नादिनिदिगविना ॥ ॥ नमामि श्री
 विद्याधनी दवी २ नममस्त्रि सिद्धि वनय सादा ॥ ॥ दहिन विन्दु
 वाम सवि पाशु विविग पूषा माला रुका ३ नी ॥ ॥ मरु कंठे सादिघ
 काका २ उम दवी जग नङ्ग ननी ॥ ॥ श्री वृद्धा किनी प्राणिनी मणि

मङ्गल मङ्गल ॥ ७०

नमि संधना २ गव कि सुन नवज मंगल गीता ॥ ॥ नाग ॥
 वनादि ॥ मरु मरुहा थनी सा मधुल काठिहा थनी ला दहा २ दग काठिहा थ
 माला यागिनी वन्द्या नवास्त्र विरु केन दवा ॥ ॥ उँ उँ उँ कान मल
 लनास्त्र निता नयागिनी वन्द्या न २ वज धन ग्वनी कल आर्निग नवा
 स्त्र स कल स मा म्भे ॥ ॥ पूर्व वज विक्रिया न दक्रि न नत्र विरु लिया
 ले २ यमि मय मयका न उरु न खरु धनियान ॥ ॥ सपुन मरु

[illegible]

कमलविक्रान्ति ५७

बेहृहाननिधियाजिहा ॥ ॥पथमकनक्षयवडुधनधनमृडाज्रा
निगननाजिहाश्रिनिगाक्षरकलधनरुमियज्ञानरुधवडुधनरुध
नवनधना ॥ ॥उरुयडुडुपातडुवधधम्मवापचडुधनामधनय
रुका२ननमयडुपडुलिगडिलिषननमधरुननृचिवना ॥ ॥
निवृद्धिवृद्धिहायिनमिगुगामिनामेवहृहानविमृष्टागना२नरुधन
धनधननागनधनमादिवडुधनन ॥ ॥५५॥नाग॥रुनवि॥पृथ्वि

पुष्पक यन्त्रो ॥ ७२

यनीहसमानगसनकनकवर्णुञ्जकसुधात्री २ उरुनमाहध्वनीवः
यवाहनैवधुधवलवैतुनिगलध्वनी ॥ ७३ ॥ ह्रीं ह्रीं अक्षमभाननीः
लवधुमहिनाअक्षरुनवगलपतिमहिना २ अक्षमहिअनरुनमाक्षपः
दानासमननयोपेरुयहन ॥ ॥ पश्चिमः ॥ यनी ७ हकिवारुन
क्रीमवैधुवजहका २ दकिनवावाहीधनधाननयीनी अक्षमसहिनाम
हिखासनी ॥ ॥ ७४ ॥ नचत्रिकादवीक्षमवर्णुकारिदुवमालदम

नसहिता २ अक्षमदिशकोमानीमखनवाहनैवधुधवलवैतुनिगलध्वनी
हका ॥ ॥ नमस्तुवैधुवीगनूडवाहनैवधुधवलवैतुनिगलध्वनी
२ वायुवैधुवामुधुवीककानवदनासिंहवाहनैवधुधवलवैतुनिगलध्वनी
जयहका २ वायुवैधुवामुधुवीककानवदनासिंहवाहनैवधुधवलवैतुनिगलध्वनी
॥ ॥ अक्षमकेलनागमधालेयादिक्षमपालनवदनादिवी २ पुन
मामिदवीजीजानाधियाभेकुमुतिमगुनियस्यसिद्धिकर्तन ॥ ७५ ॥

दसपावजायाय सकानिदन (थासदु) वाया ह्वा (उरु) ॥
॥ नागे ॥ नाठ ॥ सकल उगा मसीसा ननु पाह ॥ सर्व नये मरु कला ही ॥ कु ॥
दवमिनु वलपद अचल ॥ उगा द्वा मय मवा निद नूपा ह ॥ ॥ अही सिद्धि ॥
नही वद्विस्वावन उग म ह ॥ अही सी अही पनू घन पूर का ह ॥ ॥ द ॥
वास नो ह उगा न का ॥ ॥ अही उगा म अही ल विम्वर सिद्धि न ह ॥ ॥ ॥ ॥
अवनि निहि क वास जान स द्वा सक चव (उ) ए न को न क म म को त ऊ गि म कि पा नी ॥
निमिदि म य न स न नी व ल न न च ल व क म म य नु क उ वि क ल्य विम्वर ह का च ला य ॥

विम्वर ह का च ला य म म ल ग र ह का म वा ड ॥ रु र्व ई ह्वा ह्वा नि पी उ मा ध न म न वा रा क
हामा न नी ॥ उगा मा नि विम्वर डि न ह्वा क न क न पौ सी क स वा ध न व न्दी य न य ल म ह
मा य ल म दी का ह्वा पू द्वा ही स द्वा ॥ ॥ न म म या ग म्ब न य स द्वा वा ल ह्वा नी ना क यो
मिनी उगा न य क ॥ या गा म्ब न उगा म्ब न य क ॥ न ल्या या दा वि द्वा
विनि ल व स म्ब क नि स क र न र स र्वा वा धि व दं द यु न उ न ह्वा प त द्वा का त द्वा स
सं पं त द्वा दं द यु ग रि य नि रु र्वा यो क न क्क यो न म्ब लं न ल्या व म्ब न ह्वा लु क म्ब न ह्वा द
न क म्ब ॥